

भारत के पारंपरिक नववर्ष त्योहार

हाल ही में भारत में **चैत्र शुक्लादि**, उगादि, गुड़ी पडवा, चेटीचंड, नवरेह और साजबि चैराओबा मनाया गया। वसंत ऋतु के ये त्योहार भारत में पारंपरिक नववर्ष की शुरुआत के प्रतीक हैं।

भारत के पारंपरिक नववर्ष त्योहार:

■ चैत्र शुक्लादि:

- यह **विक्रम संवत्** के नववर्ष की शुरुआत का प्रतीक है जिसे वैदिक (हद्वि) कैलेंडर के रूप में भी जाना जाता है।
- विक्रम संवत् उस दिनि पर आधारित है जब **सम्राट विक्रमादित्य ने शकों को हराया**, उज्जैन पर आक्रमण किया और एक नए युग का आह्वान किया।
- यह **चैत्र (हद्वि कैलेंडर का पहला महीना) में वर्द्धमान अर्धचंद्र चरण** (जिसमें चंद्रमा का दृश्य पक्ष प्रत्येक रात बढ़ रहा होता है) का पहला दिनि होता है।

■ गुड़ी पडवा और उगादि:

- ये त्योहार **कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र सहित दक्कन क्षेत्र** के लोगों द्वारा मनाए जाते हैं।
- इसमें गुड़ (मीठा) और नीम (कड़वा) परोसा जाता है, जिसे दक्षिण में **बेवु-बेला** कहा जाता है, यह जीवन में आने वाले सुख और दुख का प्रतीक होता है।
- **गुड़ी महाराष्ट्र में घरों में तैयार की जाने वाली एक गुड़िया है।**
 - उगादि पर घरों में दरवाज़ों को आम के पत्तों से सजाया जाता है जिन्हें कन्नड़ में तोरणालु या तोरण कहा जाता है।

■ चेटीचंड:

- चेटीचंड **सिंधी समुदाय का नववर्ष का त्योहार है।**
- यह त्योहार **सिंधी समुदाय के संरक्षक संत झुलेलाल की जयंती** के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।

■ बैसाखी:

- इसे हद्विओं और सिंधियों द्वारा मनाई जाने वाली **बैसाखी** के रूप में भी जाना जाता है।
- यह वर्ष 1699 में **गुरु गोबिंद सिंहि** के अधीन योद्धाओं के **खालसा पंथ** के गठन की स्मृति में मनाया जाता है।
- बैसाखी उस दिनि को भी चहिनति करती है जब औपनिवेशिक ब्रिटिश साम्राज्य के अधिकारियों ने एक सभा के **दौरान जलियाँवाला बाग हत्याकांड** को अंजाम दिया था, जो औपनिवेशिक शासन के खिलाफ भारतीय आंदोलन हेतु प्रभावशाली घटना थी।

■ नवरेह:

- नवरेह **कश्मीरी नववर्ष का दिनि है।**
- इस दिनि को विभिन्न अनुष्ठानों का आयोजन, घरों को फूलों से सजाने, पारंपरिक व्यंजन तैयार करने और देवताओं की प्रार्थना करने के रूप में चहिनति किया जाता है।

■ साजबि चैराओबा:

- यह **मणिपुर** के सबसे महत्त्वपूर्ण त्योहारों में से एक माना जाता है।
- यह **वशिष रूप से राज्य के मेइती लोगों द्वारा** बहुत धूमधाम और खुशी के साथ मनाया जाता है।

■ वशि:

- यह एक **हद्वि त्योहार है जो भारतीय राज्य केरल, कर्नाटक में तुलु नाडु क्षेत्र, पुदुचेरी केंद्रशासित प्रदेश के माहे ज़िले, तमलिनाडु के पडोसी क्षेत्रों और उनके प्रवासी समुदायों द्वारा** मनाया जाता है।
- यह त्योहार **मेदाम के पहले दिनि (यह ग्रेगोरियन कैलेंडर में अप्रैल के मध्य में आता है) मनाया जाता है, जो केरल में सौर कैलेंडर में 9वाँ महीना है।**

■ पुथंडु:

- इसे पुथुवरुदम या तमलि नववर्ष के रूप में भी जाना जाता है, यह तमलि कैलेंडर में वर्ष का पहला दिन है और पारंपरिक रूप से एक त्योहार के रूप में मनाया जाता है।
- त्योहार की तारीख चंद्र हट्टि कैलेंडर के सौर चक्र के साथ नरिधारति की गई है, तमलि महीने चथिरिई के पहले दिन के रूप में।
- इसलिये यह ग्रेगोरियन कैलेंडर पर प्रत्येक वर्ष 14 अप्रैल को या उसके आसपास होता है।

■ बोहाग बह्ति:

- बोहाग बह्ति या रोंगाली बह्ति जैसे जात (Xaat) बह्ति (सात बह्ति) भी कहा जाता है, एक पारंपरिक आदवासी जातीय त्योहार है जो असम के स्वदेशी जातीय समूहों द्वारा असम और पूर्वोत्तर भारत के अन्य हिस्सों में मनाया जाता है।
- यह असमिया नववर्ष की शुरुआत का प्रतीक है।
- यह आमतौर पर अप्रैल के दूसरे सप्ताह में मनाया जाता है एवं ऐतिहासिक रूप से फसल कटाई के समय को दर्शाता है।

प्रश्न. शक संवत पर आधारित राष्ट्रीय पंचांग (कैलेंडर) का 1 चैत्र, ग्रेगोरियन कैलेंडर पर आधारित 365 दिन के सामान्य वर्ष की नमिन्लखित तिथियों में से कसि एक के तदनुरूप है? (2014)

- (a) 22 मार्च (अथवा 21 मार्च)
- (b) 15 मई (अथवा 16 मई)
- (c) 31 मार्च (अथवा 30 मार्च)
- (d) 21 अप्रैल (अथवा 20 अप्रैल)

उत्तर: (a)

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/india-s-traditional-new-year-festivals>

